>

Title: Need to grant honorarium of at least Rupees 3000/- per month to ASHA workers in the country.

श्री जगदीश शर्मा (जहानाबाद): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। संयोग से यहां नए मंत्री भी हैं। मुझे उम्मीद है इनके माध्यम से यह मामला केंद्र सरकार तक जाएगा। पूरे देश में लाखों आशा कार्यकर्ता बहाल हैं जिन्हें एक पैसे का भी मानदेय नहीं मिलता है। देश में जितने सरकारी कार्यक्रम, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम और सामाजिक कार्यक्रम हैं, आशा कार्यकर्ता इन सब कार्यक्रमों को अंजाम देती हैं। ये सभी महिलाएं हैं जबकि केंद्र सरकार लगातार महिलाओं के उत्थान की बात कहती है। पूरे देश में लाखों महिला कार्यकर्ता हैं। सभापति महोदय, आपके प्रदेश उत्तराखंड में भी हैं, बिहार में भी है, सारे देश में है। ये कार्यकर्ता केंद्र सरकार के कार्यक्रमों से जुड़ी हुई हैं। इनमें अधिकांश दलित, पिछड़े वर्ग और गरीब परिवारों से आती हैं। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि केंद्र सरकार ने एक रुपए का भी मानदेय नहीं दिया है। इन सबके बच्चे हैं, अपना परिवार है। मैं थोड़ा समय और लेना चाहता हूं चूंकि यह विषय सदन में अब तक नहीं उठा है। वहां आप भी जाते होंगे, खुर्शीद साहब भी गए होंगे, चुनाव में गए होंगे। मेरा कहना है कि आशा कार्यकर्ताओं को कोई आशा दिलाने वाला नहीं है। कोई बाल-बच्चों के पेट पर लात मारकर सरकारी कार्यक्रमों को ईमानदारी से लागू नहीं कर सकता है?

मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से निवेदन करना चाहते हैं, आग्रह करना चाहते हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): महोदय, इनकी आठ लाख संख्या है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप उन्हें बोलने दीजिए। वे आपकी आवाज बुलंद कर रहे हैं, आप उन्हें बोलने दीजिए।

श्री जगदीश शर्मा : हमें बोलना आता है।

सभापति महोदय : आपकी भावना व्यक्त हो रही है। आपने कह दिया है।

श्री जगदीश शर्मा : चूंकि यहां न्याय मंत्री बैठे हैं। पूरे देश को न्याय दिलाने वाले हैं। हम आपके माध्यम से न्याय मंत्री जी से गुहार कर रहे हैं कि केंद्र सरकार में पहल करें ताकि देश की लाखों आशा कार्यकर्ताओं को कम से कम तीन हजार रुपए प्रति माह का मानदेय मिले जिससे वे अपने गुजारे के साथ अपने परिवार का भरणपोषण कर सके।

आपने मुझे समय दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूं।

सभापति महोदय : जो सदस्य संबद्ध करना चाहते हैं, वे लिखकर भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): महोदय, मैं अपने आपको इस मामले के साथ संबद्ध करता हूं।

सभापति महोदय : रघुवंश जी, आप ऐसे बोल नहीं सकते हैं।

श्री राम सिंह कासवान।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, इनकी संख्या आठ लाख है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बोल नहीं सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : नेशनल रूरल हैल्थ मिशन की संचालन समिति ने पारित किया था।...(व्यवधान) उन्हें सर्वसम्मति से मिलना चाहिए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कुछ रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : दो व्यक्ति एक सब्जेक्ट पर नहीं बोल सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप अपनी सीट पर जाइए।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : कुछ रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : आप बैठ जाइए। जब आपकी बारी आएगी तब बोलिएगा।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आंगनवाड़ी सहायिका, सेविका को 1500 रुपए और 3000 रुपए प्रति माह मिल रहे हैं जबकि आशा कार्यकर्ताओं को नहीं मिल रहे हैं।...(व्यवधान) यह दोहरा मापदंड है इसलिए मैं सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं।

सभापति महोदय : जब आपको मौका मिलेगा तब कहिएगा।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : जो आप बोल रहे हैं क्या आपकी भी यही सब्जेक्ट है?

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : नहीं, हमारा सब्जेक्ट दूसरा है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठ जाइए।

श्री राम सिंह कस्वा आप बोलना शुरु बोलिए।

श्री राम सिंह कस्वां (चुरू): सभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

सभापति महोदय :

डा.रघुवंश प्रसाद सिंह जी को श्री जगदीश शर्मा जी के मुद्दे के साथ सम्बद्ध किया जाए।